नए संसार

नीली आसमान जैसा नीली समुद्र
भरता है आँखें खुशी से
सजने लगा मेरा मन
हर पल हरियाली की बूँदें ।

हरेक पेड़ों की पत्तियाँ
नाचता है हरियाली से
झूमता है छोटे - सुंदर फूलों भी
मीठी आवाज़वाले बच्चों के साथ ।।

कहाँ चलना है ये सब
धरती को अंधकार में डालकर ?

क्या हुआ , कतई नहीं समझा
मेरी आँखों को क्या हुआ ?
सारी हरियाली , सारे आसमान
विशाल समुद्र भी बन गया लाल ।

फँस गया उन गुदगुदी मुस्कुरा
खुशी भरनेवाली उन छोटे हाथें में भी
इमारतों के नीचे
लाल बना सफेद मन रखनेवाले
रोक गया उस नया जीवन भी ।

पूरा धरती बन गया लाल
~~भर गया~~ खूब लाल खून से बाद
कहाँ चला मेरे प्यारे
जीवन की आधार शांती ।

मानव की रोना - चिल्लाना
भर गया पूरा जमीन में
कुछ की हाथें , कुछ के सिर
कुछ वहाँ , कुछ यहाँ ।।

कई सपने कई प्राण
टूट गया सब
पूरे संसार की नाश

करनेवाला इस युद्ध के कारण ।।

कृपया आ जा मेरे प्यारे ।
खुशी और शांति की सफेदवाले ।।

भरता है मन पूरे अभिमान से
खुशी ही है हर पल जीवन में
चाँद तक गया संसार की इतिहास
आगे भी जाएगा बहुत दूर से।

फिर भी, भरता है मन दुख से
जब सोचा कुछ बात
जो ठीक ही नहीं है
भविष्य को भी ।।

देखा ही नहीं पाती है
समाज का अच्छा मनोभाव
और प्यार - आदर
लड़कियों की ओर।

बिना युद्ध के लड़का और लड़की को
एक समान देखकर
हम बनना है एक नए संसार ॥

देना है अच्छी प्यार,
आदर एवं मदद की हाथें
भविष्य की सभी बातें
हाथों में ही है उनकी ॥